भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोकसभा

तारांकित प्रश्न संख्या 113

11.02.2025 को उत्तर के लिए नियत

फेम इंडिया स्कीम का कार्यान्वयन

*113 **श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी:**

क्या **भारी उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारत में हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों का तीव्र अंगीकरण एवं विनिर्माण (फेम इंडिया) स्कीम के कार्यान्वयन और परिणामों तथा देश में इस स्कीम के आरंभ होने के उपरांत खरीदारों को प्रदत्त प्रोत्साहन और इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाए जाने को बढ़ावा दिए जाने से संबंधित ब्यौरा/विशेषताएं क्या हैं;

(ख) वर्ष 2015 में फेम इंडिया पहल के उपरांत इसके लिए कुल कितना बजट प्रदान किया गया; और

(ग) फेम इंडिया पहल के भाग के रूप में चार्जिंग स्टेशनों सहित इलेक्ट्रिक वाहनों हेतु आवश्यक बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए क्या पहल कार्यान्वित की गई है और इस संबंध में वर्तमान स्थिति क्या है?

उत्तर

भारी उद्योग मंत्री

(श्री एच.डी. कुमारस्वामी)

(क) से (ग): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

******

"फेम इंडिया स्कीम का कार्यान्वयन" के संबंध में लोक सभा में 11.02.2025 को उत्तर के लिए नियत श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी के तारांकित प्रश्न संख्या 113 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

(क) से (ग): फेम-I एवं फेम-II स्कीमों का अपेक्षित विवरण निम्नानुसार है:

फेम I स्कीम:

भारत सरकार द्वारा 1 अप्रैल, 2015 से 31 मार्च, 2019 तक 895 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ 'भारत में इलेक्ट्रिक (और हाइब्रिड) वाहनों के तीव्र अंगीकरण और विनिर्माण' (फेम इंडिया) चरण I को कार्यान्वित किया गया। खरीदारों को दिए जाने वाले **प्रोत्साहन** , चार्जिंग अवसंरचना सहित ईवी के अंगीकरण में विस्तार के बारे में विवरण **अनुलग्नक I में दिया गया है** ।

फेम II स्कीम:

फेम इंडिया स्कीम का दूसरा चरण 5 वर्ष की अवधि यानी 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2024 तक के लिए ₹11,500 करोड़ के परिव्यय के साथ कार्यान्वित किया गया था । खरीदारों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन, चार्जिंग अवसंरचना सहित ईवी के अंगीकरण में विस्तार के बारे में विवरण **अनुलग्नक II में दिया गया है** ।

चार्जिंग अवसंरचना

फेम इंडिया स्कीम के दोनों चरण चार्जिंग अवसंरचना के निर्माण का समर्थन करते हैं। पहले चरण के तहत, ₹43 करोड़ की राशि के साथ लगभग 520 चार्जिंग स्टेशन स्वीकृत किए गए थे। दूसरे चरण के तहत, ₹ 912.5 करोड़ के परिव्यय के साथ कुल 10,985 ईवीपीसीएस स्थापित किए जाने हैं। इनमें से 10,585 तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) द्वारा स्थापित किए जा रहे हैं और शेष 400 अन्य संस्थाओं द्वारा स्थापित किए जा रहे हैं।

31.1.2025 तक, ओएमसी ने 4,523 ईवी पीसीएस स्थापित किए हैं।

"फेम इंडिया स्कीम का कार्यान्वयन" के संबंध में लोक सभा में 11.02.2025 को उत्तर के लिए नियत श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी के तारांकित प्रश्न संख्या 113 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

1. विभिन्न श्रेणियों के वाहनों के लिए फेम -I के अंतर्गत प्रोत्साहन का स्तर नीचे दिया गया है:

तालिका 1 : फेम -I में प्रोत्साहन स्तर

क्रम सं.	वाहन श्रेणी	फेम I के अंतर्गत प्रोत्साहन (रु.)
1	द्रुत गति दुपहिया	मोटर साइकिल - 29,000 स्कूटर - 22,000
2	कम गति वाले दुपहिया	मोटर साइकिल - 23,000 स्कूटर - 17,000
3	दुपहिया इलेक्ट्रिक साइकिल (ईपीएसी)	-
4	द्रुत गति तिपहिया/ कम गति तिपहिया	61,000 / 45,000
5	चौपहिया यात्री कारें	1,24,000 / 1,38,000
6	एलसीवी	1,87,000
7	बस	1,00,00,000 / 85,00,000
8	मजबूत हाइब्रिड चौपहिया / एलसीवी	70,000
9	प्लग इन हाइब्रिड दुपहिया	15,600
10	प्लग इन हाइब्रिड चौपहिया / एलसीवी	1,18,000

2. फेम-I के अंतर्गत भौतिक प्रगति नीचे दी गई है:

तालिका 2 : फेम-I स्कीम के अंतर्गत भौतिक प्रगति (दिसंबर, 2018 तक)

श्रेणी	समर्थित ई.वी. की संख्या
दुपहिया	1,51,648
तिपहिया	786
चौपहिया	1,02,446
ई-बस	425
कुल	**2,55,305**

3. फेम-I के अंतर्गत निधियों का शीर्ष-वार उपयोग नीचे दिया गया है:

तालिका 3: फेम-I के अंतर्गत आवंटित निधियों का शीर्षवार उपयोग

वस्तुओं का विवरण	**कुल**
प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म	64
मांग प्रोत्साहन	307
पायलट परियोजनाएं	158
उपरोक्त के लिए कुल	**529**
फेम-II को हस्तांतरित की गई फेम-I की देयता	366
कुल	**895**

4. विभिन्न संगठनों/संस्थाओं में परीक्षण अवसंरचना की स्थापना, विद्युतीकृत परिवहन, बैटरी इंजीनियरिंग आदि में उन्नत अनुसंधान के लिए 'उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना जैसी प्रौद्योगिकी विकास परियोजनाओं के लिए लगभग 158 करोड़ रुपये की पायलट परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म के विकास पर 64 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

"फेम इंडिया स्कीम का कार्यान्वयन" के संबंध में लोक सभा में 11.02.2025 को उत्तर के लिए नियत श्री वाई.एस. अविनाश रेड्डी के तारांकित प्रश्न संख्या 113 के भाग (क) से (ग) के उत्तर में संदर्भित विवरण

तालिका 1: समर्थित ईवी की संख्या और प्रोत्साहन का स्तर

क्र. सं.	**वाहन श्रेणी**	**समर्थित वाहनों की संख्या**	**प्रोत्साहन प्राप्त करने के लिए अधिकतम एक्स-फैक्ट्री मूल्य**	**बैटरी का अनुमानित आकार (किलोवाट घंटा में)**	**प्रति वाहन प्रोत्साहन* (रु./किलोवाट घंटा)**	**प्रोत्साहन की ऊपरी सीमा***
1	ई-दुपहिया	14,31,837	रु. 1.5 लाख	2 से 4	10,000	एक्स-फैक्ट्री मूल्य का 15%
2	ई-तिपहिया	1,64,908	रु. 5 लाख	5 से 10	10,000	एक्स-फैक्ट्री मूल्य का 20%
3	ई-चौपहिया पास कारें	22,665	रु. 15 लाख	15 से 25	10,000	एक्स-फैक्ट्री मूल्य का 20%
4	चौपहिया मजबूत हाइब्रिड कार		रु. 15 लाख	.5 से 2		
5	ई-बसें	6,862	रु. 2 करोड़	175 से 300	20,000	35 लाख रुपये (8 मिलियन) 45 लाख रुपये (10 मी) 55 लाख रुपये (12 मी)
6	ईवी पीसीएस	10,985	-			अपस्ट्रीम लागत का 80% और चार्जिंग उपकरण की लागत का 70%
	कुल (ईवीएस)	**16,26,272**				

** प्रोत्साहन के स्तर को समय-समय पर संशोधित किया गया। यह प्रोत्साहन का नवीनतम स्तर है।*

तालिका 2: 31/01/2025 तक फेम II की भौतिक और वित्तीय प्रगति

श्रेणी	**समर्थित ई.वी. की संख्या**	**आवंटन (करोड़ रूपये में)**	**व्यय (करोड़ रूपये में)**
ई-दुपहिया	14,31,837	5,311	4,922
ई-तिपहिया	1,64,908	987	1,110
ई-चौपहिया	22,665	750	538
ई-बसें	स्वीकृत - 6,862 5,135 रोल आउट	3,209	स्वीकृत - 3,009 व्यय की गई राशि: 1,325
ईवीपीसी	10,985	839	633
एडमिन	-	38	22
फेम 1 की देयता	-	366	366
कुल	***16,26,272***	***11,500***	***10,601***

****